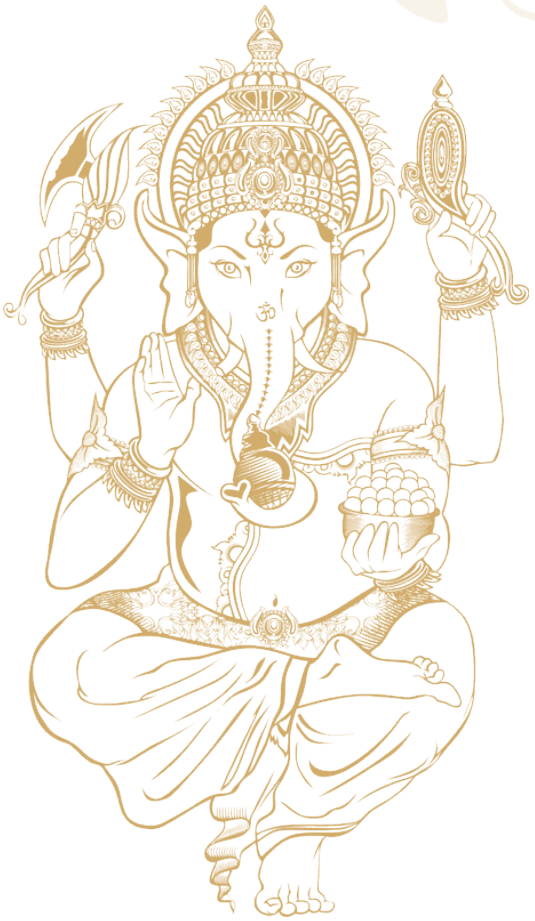

Akhil

28 Mar 2000

12:37 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121401002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27-28/03/2000**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**00:37:00 घंटे**
इष्ट	45:49:41 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:15:52 घंटे
वेलान्तर	-00:05:19 घंटे
साम्पातिक काल	12:37:56 घंटे
सूर्योदय	06:17:07 घंटे
सूर्यास्त	18:36:16 घंटे
दिनमान	12:19:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	13:33:27 मीन
लग्न के अंश	02:18:19 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वरियान
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भी-भीमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	02:18:19	325:54:29	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
सूर्य			मीन	13:33:27	00:59:21	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			धनु	11:12:02	11:48:35	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			मेष	09:37:03	00:43:53	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
बुध			कुंभ	15:47:22	00:56:39	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मेष	14:22:43	00:13:19	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			कुंभ	23:49:23	01:14:06	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
शनि			मेष	21:10:14	00:06:40	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	07:23:43	00:00:19	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		मक	07:23:43	00:00:19	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
हर्ष			मक	25:37:31	00:02:36	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
नेप			मक	12:14:53	00:01:19	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	19:00:12	00:00:25	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			कन्या	16:27:47	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:22

लग्न-चलित

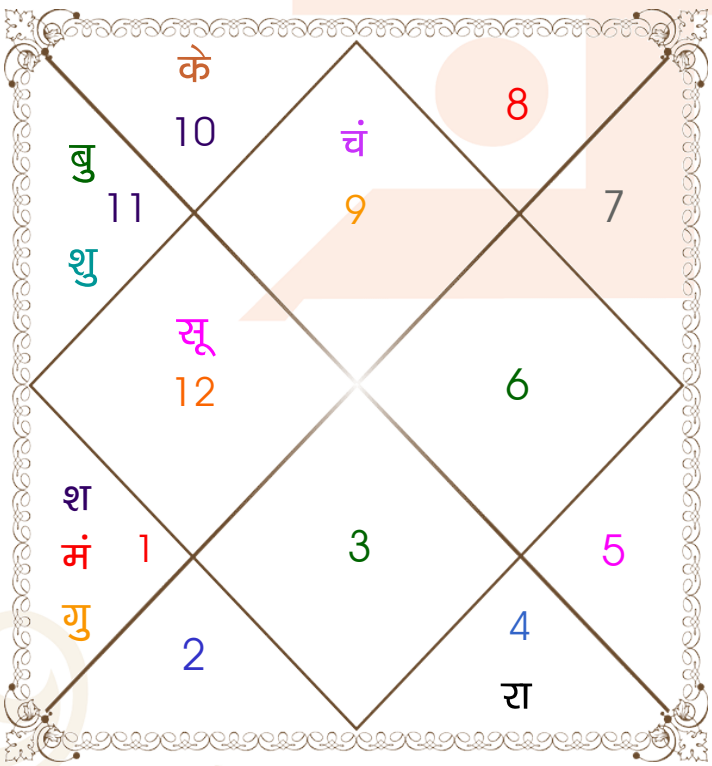

चन्द्र कुंडली

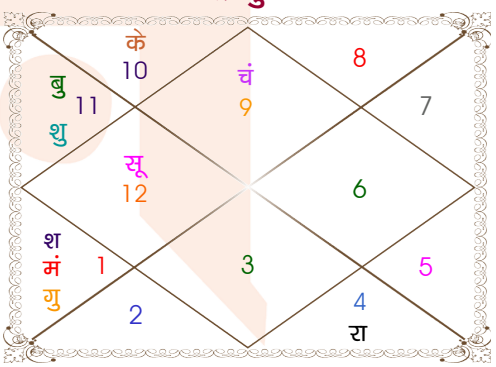

नवमांश कुंडली

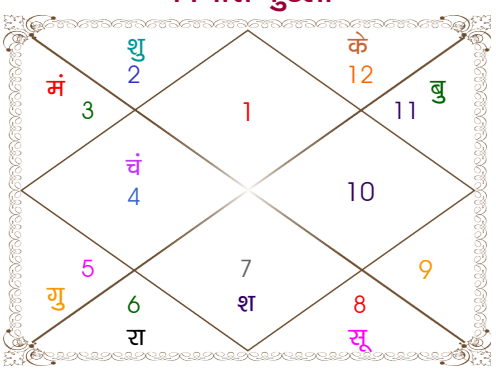

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 1 मास 13 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
28/03/2000		10/05/2001		10/05/2021		11/05/2027		10/05/2037	
10/05/2001		10/05/2021		11/05/2027		10/05/2037		10/05/2044	
	00/00/0000	शुक्र	09/09/2004	सूर्य	28/08/2021	चंद्र	10/03/2028	मंगल	07/10/2037
	00/00/0000	सूर्य	09/09/2005	चंद्र	27/02/2022	मंगल	09/10/2028	राहु	25/10/2038
	00/00/0000	चंद्र	11/05/2007	मंगल	05/07/2022	राहु	10/04/2030	गुरु	01/10/2039
	00/00/0000	मंगल	10/07/2008	राहु	29/05/2023	गुरु	10/08/2031	शनि	09/11/2040
	00/00/0000	राहु	11/07/2011	गुरु	16/03/2024	शनि	11/03/2033	बुध	06/11/2041
	00/00/0000	गुरु	11/03/2014	शनि	26/02/2025	बुध	10/08/2034	केतु	04/04/2042
	28/03/2000	शनि	10/05/2017	बुध	03/01/2026	केतु	11/03/2035	शुक्र	04/06/2043
शनि	13/05/2000	बुध	10/03/2020	केतु	11/05/2026	शुक्र	09/11/2036	सूर्य	10/10/2043
बुध	10/05/2001	केतु	10/05/2021	शुक्र	11/05/2027	सूर्य	10/05/2037	चंद्र	10/05/2044

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
10/05/2044		11/05/2062		11/05/2078		10/05/2097		12/05/2114	
11/05/2062		11/05/2078		10/05/2097		12/05/2114		00/00/0000	
राहु	21/01/2047	गुरु	28/06/2064	शनि	14/05/2081	बुध	07/10/2099	केतु	08/10/2114
गुरु	16/06/2049	शनि	09/01/2067	बुध	22/01/2084	केतु	04/10/2100	शुक्र	08/12/2115
शनि	22/04/2052	बुध	16/04/2069	केतु	01/03/2085	शुक्र	05/08/2103	सूर्य	14/04/2116
बुध	09/11/2054	केतु	23/03/2070	शुक्र	01/05/2088	सूर्य	11/06/2104	चंद्र	13/11/2116
केतु	28/11/2055	शुक्र	21/11/2072	सूर्य	13/04/2089	चंद्र	10/11/2105	मंगल	11/04/2117
शुक्र	28/11/2058	सूर्य	09/09/2073	चंद्र	12/11/2090	मंगल	07/11/2106	राहु	30/04/2118
सूर्य	22/10/2059	चंद्र	09/01/2075	मंगल	22/12/2091	राहु	27/05/2109	गुरु	05/04/2119
चंद्र	22/04/2061	मंगल	16/12/2075	राहु	28/10/2094	गुरु	02/09/2111	शनि	29/03/2120
मंगल	11/05/2062	राहु	11/05/2078	गुरु	10/05/2097	शनि	12/05/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 1 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाले प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रहा है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलते रहते हैं। परंतु यह नहीं सोचते हैं कि बातों का सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपकी कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपमें भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकते। आप चिंतन कर सकते है कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगे।

साथ-साथ घरेलू मामले में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगे। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वास्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करते हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताते है। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखते हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझते हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगे।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकते हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाला बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकते हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।